मृदुल पत्रिका समाचार पत्र को समस्त जिलों एवं तहसील-कस्बों में संवाददाताओं की आवश्यकता है। सम्पर्क सूत्र 9828888853

दैनिक
मृदुल पत्रिका
पृष्ठ 8 वर्ष: 14 मूल्य 2.00 रु. अंक 31 | जयपुर, शुक्रवार, 16 सितंबर, 2022 | RNI/RAJHIN/2008/27048 | dainikmridulpatrika@gmail.com

हमारे यहां किताबों व समाचार पत्रों की प्रिंटिंग की जाती है सम्पर्क सूत्र 9571039307 (भारत प्रिंटर्स एण्ड मीडिया कॉर्पोरेशन)

हिंदी ने देश को एक सूत्र में पिरोने में भूमिका निभाई : डॉ पंचारिया

पिलानी (बाबूलाल घोघलिया/ मृदुल पत्रिका)। सीएसआईआर - केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) पिलानी में आयोजित हिंदी सप्ताह का समापन 14 सितंबर को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। समारोह में संस्थान के निदेशक डॉ पीसी पंचारिया ने हिंदी प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया। संस्थान में लागू राजभाषा प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत भी सहकर्मियों को पुरस्कृत किया गया। हिंदी में सर्वाधिक एवं विशिष्ट कार्य करने वाले प्रशासनिक, तकनीकी एवं वैज्ञानिक अनुभागों/प्रभागों को राजभाषा चल वैजयंती प्रदान की गई। प्रशासनिक वर्ग में वित्त एवं लेखा अनुभाग तथा तकनीकी वर्ग में ज्ञान संसाधन केंद्र तथा वैज्ञानिक वर्ग में पीएमईबीडी प्रभाग को राजभाषा चल वैजयंती प्रदान की गई। इस अवसर पर डॉ पंचारिया एवं डॉ अभिजीत कर्माकर ने राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा संस्थान के राजभाषा कार्यकलापों से संबंधित पत्रिका राजभाषा संदर्शिका 2021-22 विमोचन भी किया। गतवर्ष केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली के भाषा शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत हिंदी प्रबोध परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सहकर्मियों को भी प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

संस्थान के निदेशक डॉ पंचारिया ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी की भूमिका और इसके योगदान की चर्चा की। उन्होंने कहा कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक पूरे भारत को एक सूत्र में पिरोने में हिंदी की बड़ी भूमिका रही है।

हिंदी सप्ताह आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ अभिजीत कर्माकर ने गृहमंत्री अमित शाह के हिंदी दिवस संदेश के प्रमुख बिंदुओं को रेखांकित किया। उन्होंने वर्षपर्यन्त आयोजित गतिविधियों की जानकारी देते हुए सहकर्मियों से अपील की कि भय व संकोच को त्याग कर सरकारी और निजी कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग करें।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ हिंदी अधिकारी रमेश चौरा ने किया। अंत में प्रशासन नियंत्रक जय शंकर शरण ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया के मार्गदर्शन हेतु आभार व्यक्त किया।